उच्च और ऊँचे सिंहासन पर बैठा परमेश्वर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यशायाह 6:1

“उस वर्ष जब राजा उज़्जियाह मरा, मैंने प्रभु को ऊँचे और
ऊँचे सिंहासन पर बैठे देखा, और उनके वस्त्रों की आंचल ने
मन्दिर को भर दिया।” (यशायाह 6:1, हिंदी बाइबिल)

क्या आप सच में समझते हैं कि परमेश्वर का निवास स्थान कहाँ है?

“मैंने प्रभु को ऊँचे और ऊँचे सिंहासन पर बैठे देखा…”
(यशायाह 6:1)

पूजा में “उच्च स्थानों” का बाइबिलिक पैटर्न

परमेश्वर के उच्च निवास के पाँच आध्यात्मिक क्षेत्र

यहाँ पाँच प्रमुख “उच्च स्थान” हैं जहाँ परमेश्वर आध्यात्मिक रूप से निवास करते हैं। इनका समझना हमें उन्हें सत्य के साथ प्राप्त करने में मदद करता है।

उच्च और ऊँचे सिंहासन पर बैठा परमेश्वर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

1. निवास स्थान: स्वर्ग

“यहोवा ने कहा, ‘स्वर्ग मेरा सिंहासन है, और पृथ्वी मेरे पाँवों की चौकी है; तुम मेरे लिए कौन सा घर बनाओगे, और कौन सा स्थान मेरा विश्राम होगा?'” (यशायाह 66:1, हिंदी बाइबिल)

2. उसकी छवि के वाहक: मनुष्य

“मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि ले, और मनुष्य का पुत्र
क्या है कि तू उसकी देखभाल करता है? तू ने उसे परमेश्वर से थोड़ा ही कम बनाया है, और उसे महिमा और सम्मान से मुकुटित किया है।” (भजन संहिता 8:4-5, हिंदी बाइबिल)

3. चरित्र: पवित्रता

“क्योंकि ऐसा कहता है वह जो ऊँचा और ऊँचा है, जो अनन्त में निवास करता है, और जिसका नाम पवित्र है: मैं ऊँचाई और पवित्र स्थान में निवास करता हूँ, और उस व्यक्ति के साथ भी जो टूटे और विनम्र मन वाला है, ताकि विनम्रों का आत्मा जीवित हो जाए, और टूटे मन वालों का हृदय जीवित हो जाए।” (यशायाह 57:15, हिंदी बाइबिल)

उच्च और ऊँचे सिंहासन पर बैठा परमेश्वर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

4. शक्ति: विश्वास

“और विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है; क्योंकि जो परमेश्वर के पास आता है, उसे विश्वास करना चाहिए
कि वह है, और जो उसे खोजते हैं, उन्हें वह इनाम देता है।” (इब्रानियों 11:6, हिंदी बाइबिल)

5. पूजा: सम्मान और श्रद्धा

“परंतु सच्चे पूजा करने वाले वे हैं, जो आत्मा और सत्य से पूजा करते हैं; क्योंकि पिता ऐसे पूजा करने वालों को खोजता है।” (यूहन्ना 4:23, हिंदी बाइबिल)

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे। इस शुभ समाचार को दूसरों के साथ साझा करें।

Share on:
WhatsApp